एक नजर में

एमअएम फाउंडेशन का डांस फॉर डिग्निटी- सीजन 4

इंदौर. राजधानी दिल्ली में एमअएम फाउंडेशन, आरडीएक्स डांस चैंपियनशिप के साथ मिलकर डांस फॉर डिग्निटी- सीजन 4 प्रस्तुत करेगा. यह भव्य दो दिवसीय राष्ट्रीय डांस चैंपियनशिप 25 और 26 अप्रैल को ओ.पी. जिंदल ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी. इस सीजन को देशभर से 500+ नामांकन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 100+ प्रतिभाशाली नर्तकों को लाइव प्रस्तुति के लिए चुना गया है. विभिन्न क्षेत्रों और पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व करते हुए, प्रतिभागी अनेक डांस शैलियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जो भारत की सांस्कृतिक और रचनात्मक विविधता को दर्शाता है. डॉ. पायल कनोड़िया, चेयरपर्सन एवं ट्रस्टी, एमअएम फाउंडेशन ने कहा डांस फॉर डिग्निटी केवल एक प्रतियोगिता नहीं है- यह साहस, रचनात्मकता और अवसर का उत्सव है. स्क्ष्रूफाउंडेशन में हमारा विश्वास है कि प्रतिभा को पृष्ठभूमि से परे पहचान मिलनी चाहिए.

अमेजन इंडिया लेकर आ रहा है खेत से ताजे आम

इंदौर. गर्मियों की सबसे जीवंत यादें अक्सर आमों से जुड़ी होती हैं- उनकी खुशबू, उन्हें खाने की परंपरा, और सीजन का पहला स्वाद. अमेजन .इन पर, हम इस परंपरा को जीवित रखने का प्रयास करते हैं. हर गर्मी में, हम भारत की बेहतरीन आम की किस्में- अल्फांसो, रसपुरी, सिंधुरी, सफेदा, केसर और अन्य- सीधे खेतों से ताज़ा लाकर आपके दरवाज़े तक पहुंचाते हैं. और यह केवल ताज़े फलों तक सीमित नहीं है. आम की आइस्क्रीम से लेकर आमरस, अचार और पेय पदार्थों तक, हम इस मौसम का पूरा स्वाद एक ही जगह पर उपलब्ध कराते हैं. अमेज़न नाउ पर 'आम-एज़िंग' स्टोरफ्रंट अब इस मौसम के पूरे स्वाद को एक साथ लाता है — खेत से ताज़े आमों के साथ कुल्फी, श्रीखंड, आमरस, पेय, अचार, मिठाइयाँ और बहुत कुछ, वह भी 70% तक की छूट पर. अमेज़न फ्रेश पर, द किंग ऑफ फ्रूट्स इज़ हियर एक विशेष रूप से तैयार किया गया स्टोरफ्रंट ताज़े आम, डेज़र्ट, योगर्ट, रेडी-टू-ईट आम की किस्में और बहुत कुछ एक साथ लाता है.

येज्दी और बीएसए ने दो नई मोटरसाइकिलें लॉन्च कीं

इंदौर. पहली बार एक साथ आए येज़्दी और बीएसए, भारत के नए दौर के राइडर के लिए दो दमदार स्क्रैम्बलर लेकर आए हैं. अपनी मूल स्क्रैम्बलर पहचान को बरकरार रखते हुए दोनों ब्रांड प्रीमियम बाइकिंग सेगमेंट के दोनों सिरों को कवर कर रहे हैं. येज़्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 में दमदार इंजन के साथ रफ-एंड-रियल डिज़ाइन का खास तड़का है. अनुपम थरेजा, सह-संस्थापक, क्लासिक लीजेंड्स ने कहा मेरा मानना है कि स्क्रैम्बलर भारतीय बाइकिंग को वैसे ही बदल देंगे जैसे एसयूवी ने कारों की दुनिया बदल दी. स्क्रैम्बलर यानी मोटरसाइकिल्स की एसयूवी. ये शहर में कॉन्फिडेंट राइड देते हैं और इतने रग्ड हैं कि वीकेंड पर आपको ऑफ-रोड जाने का हौसला भी देते हैं. अब इसमें येज़्दी और बीएसए का स्टाइलिश और बोल्ड डिज़ाइन जोड़ दीजिए, तो हम उसी कैटेगरी में धमाका करने के लिए तैयार हैं जिसे हमने शुरू किया था.

एमेजॉन ने ट्रस्टवर्दी शॉपिंग एक्सपीरिएंस रिपोर्ट जारी की

इंदौर. आज एमेज़ॉन ने अपनी पहली ट्रस्टवर्दी शॉपिंग एक्सपीरिएंस रिपोर्ट जारी की. इस रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया है कि एमेज़ॉन अपने ग्लोबल स्टोर में किस प्रकार ग्राहकों, सैलिंग पार्टनर्स और ब्रांड्स को सुरक्षा प्रदान करता है. इस रिपोर्ट में पहली बार जालसाजी के खिलाफ, प्रोडक्ट की सुरक्षा, धोखाधड़ी की रोकथाम, विश्वसनीय रिव्यू सुनिश्चित करने और संगठित रिटेल अपराध को रोकने के लिए एमेज़ॉन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ब्यौरा दिया गया है. इस रिपोर्ट से एमेज़ॉन के सिस्टम, टेक्नोलॉजी, साझेदारियों और अपने स्टोर को सुरक्षित बनाए रखने के लिए किए जाने वाले कार्यों की जानकारी मिलती है. रोहन ऊमैन, वाईस प्रेसिडेंट, वर्ल्डवाईड कस्टमर एवं पार्टनर ट्रस्ट ने कहा हमारा उद्देश्य ग्राहकों, ब्रांड्स और सैलर्स के लिए अपने स्टोर को सुरक्षित बनाना है. हम यह भी जानते हैं कि ग्राहकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई नीतियाँ कभी-कभी उन सैलर्स के लिए बाधक हो जाती हैं, जो अपना व्यवसाय बढ़ाना चाहते हैं. हमारा मिशन है कि एमेज़ॉन पर केवल वैध सैलिंग पार्टनर आगे बढ़ें. इस रिपोर्ट से हमारी यह प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है.

सर्जनों को एडवान्स लैप्रोस्कोपी ट्रेनिंग दी

इंदौर. एडवान्स लैप्रोस्कोपिक और स्त्री-रोग कैंसर सर्जरी के क्षेत्र में अग्रणी डॉक्टर दीपक लिंबाचिया ने देशभर से आए 15 सर्जनों के लिए दो दिवसीय एडवान्स लैप्रोस्कोपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. यह कार्यक्रम अहमदाबाद स्थित इवा वुमन्स होस्पिटल के इवा एन्डोस्कोपी इन्स्टिट्यूट में आयोजित किया गया. पिछले एक दशक में डॉ. लिम्बाचिया 4,000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चिकित्सकों को प्रशिक्षण दे चुके हैं और मिनिमली इन्वेसिव गायनेकोलोजिकल सर्जरी के क्षेत्र में देश के प्रमुख विशेषज्ञों में अपनी पहचान बना चुके हैं. डॉ. लिम्बाचिया ने कहा कार्यक्रम के अंत तक प्रतिभागियों ने ऐसे व्यावहारिक और उपयोगी कौशल हासिल कर लिए, जिन्हें वे अपने अस्पतालों में तुरंत लागू कर सकते हैं, जिससे मरीजों की सुरक्षा और सर्जरी की सफलता में सुधार होगा. कार्यक्रम के दौरान लगभग 10 लाइव सर्जरी की गईं.

हज यात्रा पर जा रहे योगा प्रशिक्षक को बिदाई

इंदौर. शहर की प्रतिष्ठित संस्था मॉडर्न योगा क्लब ने बिजलपुर स्थित योगा केंद्र के मुख्य योगा प्रशिक्षक जैनब मुर्तुजा सलीम को इस वर्ष हज यात्रा पर जाने पर बिदाई समारोह आयोजित कर भावभीनी बिदाई दी. क्लब के योगगुरु डॉ. शिवप्रकाश सिंह बघेल की अध्यक्षता में प्रोग्राम आयोजित हुआ. बिजलपुर योगा केंद्र संचालक असगर फिदवी, एवं मंसूर भाई कोलेज वाला ने बताया कि बिदाई समारोह में मार्डन योगा क्लब के पदाधिकारियों सचिव जसबीर सिंह होरा, हरबेल सिंह चड्ढा, डॉ रशीदा मलिक सहित बड़ी संख्या में योग साधक साधिकाओं ने योग प्रशिक्षक सलीम दंपति को इस वर्ष हज यात्रा पर जाने की बधाई देते हुए फूलों के हार व बुकें भेंटकर गर्मजोशी से स्वागत कर स्वस्थ, सुखद यात्रा की कामना कर भावभीनी बिदाई दी. इस अवसर पर सलीम दंपति ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हज यात्रा के दौरान देश के विकास जनकल्याण व सभी के लिए प्रार्थना करेंगे. कार्यक्रम का संचालन क्लब के असगर फिदवी ने किया. अंत में क्लब के हुजैफा मंडलेश्वर वाला ने अतिथि स्वगत किया. मुनीरा कॉलेज वाला ने आभार माना.

एयू बैंक ने विवेक त्रिपाठी को पूर्णकालिक निदेशक नियुक्त किया

मुंबई. एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और पिछले एक दशक में यूनिवर्सल बैंक में परिवर्तन के लिए रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (आरबीआई) से इन-प्रिंसिपल स्वीकृति प्राप्त करने वाला पहला संगठन, ने आज घोषणा की कि आरबीआई ने विवेक त्रिपाठी की तीन वर्ष की अवधि के लिए बैंक के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यकारी निदेशक) के रूप में नियुक्ति को मंजूरी प्रदान कर दी है. संजय अग्रवाल, संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, ने कहा विवेक पिछले एक दशक से एयू की नेतृत्व यात्रा का अभिन्न हिस्सा रहे हैं और उन्होंने व्यवसाय, क्रेडिट तथा संस्थागत गवर्नेंस के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है. जोखिम समझ, पोर्टफोलियो प्रबंधन और निष्पादन अनुशासन की उनकी गहरी समझ ने एयू की बैलेंस शीट की मजबूती को और सुदृढ़ किया है. उनकी नियुक्ति हमारी सुव्यवस्थित उत्तराधिकार योजना को दर्शाती है, क्योंकि हम बैंक को अगले विकास चरण के लिए तैयार कर रहे हैं.

सैमसंग ने द डेविल वियर्स प्राडा के साथ सहयोग की घोषणा की

इंदौर. आज सैमसंग ने 20वीं सेंचुरी स्टूडियोज की फिल्म द डेविल वियर्स प्राडा 2 की थिएटर में आगामी रिलीज का जश्न मनाने के लिए एक वैश्विक सहयोग की शुरुआत की है, जिसमें एक विशेष विज्ञापन दिखाया गया है. इस विज्ञापन में हेलेन जे. शेन अपने जिन के किरदार में नजर आ रही हैं, जो नए गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा पर गूगल के साथ सर्कल टू सर्च फीचर का उपयोग करके मिरांडा प्रेस्टली की आखिरी समय की एक मांग को बड़ी ही कुशलता से पूरा करती हैं. इस वैश्विक साझेदारी के तहत, द डेविल वियर्स प्राडा 2 के वर्ल्ड प्रीमियर के दौरान रेड कार्पेट पर गैलेक्सी एल26 अल्ट्रा का जलवा देखने को मिला. हेली ने कहा मुझे द डेविल वियर्स प्राडा बहुत पसंद है और टीम गैलेक्सी की सदस्य होने के नाते मुझे अपना गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा बहुत पसंद है। इन दो दुनियाओं को यहां रेड कार्पेट पर मिलते देखना और इस फिल्म को पसंद करने वाले समुदाय के साथ अपने पसंदीदा गैलेक्सी एस26 सीरीज के फीचर्स साझा करना मेरे लिए सबसे अच्छा अनुभव रहा है.

पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया में इंजीनियर ने जारी कर दी फर्जी एनओसी

▶ जांच में खुलासा होने के बाद किया निलंबित

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश के सबसे बड़े इंडस्ट्रियल एरिया पीथमपुर में भोपाल के प्रभारी कार्यपालन यंत्री ने फर्जी एनओसी जारी कर दी. उक्त एनओसी पर स्थानीय कलेक्ट्रेट से भी अनुमति दे दी गई. खास बात यह है कि उक्त एनओसी जमीन मालिक से साठगांठ करके पेट्रोलियम प्रदार्थ के भंडारण के अवंतिका गैस कंपनी के लिए जारी की गई थी. मामले का खुलासा होने पर प्रभारी कार्यपालन यंत्री को निलंबित कर दिया गया है.

एमपीआईडीसी के भोपाल कार्यालय में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन यंत्री मार्तंड सिरोलिया को निलंबित कर दिया है. सिरोलिया ने पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया के जमीन मालिक से सांठगांठ कर पेट्रोल पंप और पेट्रोलियम प्रदार्थ के भंडारण के लिए फर्जी एनओसी जारी कर दी. एनओसी में वरिष्ठ अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर, सील और फर्जी दस्तावेज का उपयोग किया गया है. फर्जी एनओसी के आधार पर कलेक्टर ने भी अनुमति जारी कर दी. मामले का खुलासा एमपीआईडीसी के स्थानीय कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति को मिली थी. इसके बाद प्रजापति ने जांच करवाई. जांच में खुलासा हुआ कि भोपाल के प्रभारी कार्यपालन यंत्री मार्तंड सिरोलिया ने 12500 हेक्टेयर इंडस्ट्रियल एरिया में शामिल जमीन मालिक से मिलीभगत करके फर्जी एनओसी जारी की है.

लाखों का भ्रष्टाचार हुआ

बताया जा रहा है कि जमीन मालिक ने अवंतिका गैस कंपनी से गोपनीय रूप से अनुबंध कर जमीन की एनओसी दिलवाने का काम हाथ लिया था. जमीन मालिक ने सिरोलिया से संपर्क कर फर्जी एनओसी हथिया ली. साथ ही स्थानीय कलेक्ट्रेट से भी पेट्रोलियम प्रदार्थ के भंडारण की अनुमति निकलवा ली. एनओसी देने में लाखों का भ्रष्टाचार हुआ है.

अनुमति निरस्त की- ध्यान रहे कि पीथमपुर इंडस्ट्रियल एरिया में सभी जमीनों पर हर तरह की एनओसी जारी करने का अधिकार सिर्फ एमपीआईडीसी के पास है. यही कारण है कि पेट्रोल पंप के लिए सिरोलिया ने फर्जी सील और हस्ताक्षर कर एनओसी दे दी. यह बात अलग है कि सिरोलिया को निलंबित कर दिया गया है. साथ ही कलेक्टर ने भी जांच में फर्जी एनओसी होने के बाद अनुमति निरस्त कर दी.

एमपीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2026 दो सत्रों में 26 अप्रैल को होगी

सख्त सुरक्षा और नियम लागू

नवभारत न्यूज़

इंदौर. इंदौर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन 26 अप्रैल को ओएमआर पद्धति से किया जाएगा। परीक्षा दो सत्रों में होगी—पहला सत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक. इसके लिए प्रदेश के सभी 54 जिला मुख्यालयों में 365 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं.

परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर कम से कम 90 मिनट पहले पहुँचना अनिवार्य होगा. प्रवेश के समय त्रिस्तरीय जांच की व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से तलाशी शामिल है. पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष कर्मचारियों द्वारा और महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला कर्मचारियों द्वारा अलग केबिन में की जाएगी. ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को अपनी सुविधा अनुसार जांच करवाने का विकल्प दिया गया है. परीक्षार्थी अपने साथ केवल ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, नीले या काले रंग का बॉलपेन, पारदर्शी पानी की बोतल और आवश्यक होने पर फोटो ला सकते हैं. दिव्यांग अभ्यर्थियों को उनके लिए आवश्यक सामग्री लाने की अनुमति रहेगी.

प्रतिबंधित वस्तुएं-परीक्षा में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल फोन, स्मार्ट व डिजिटल घड़ी, ब्लूटूथ, कैलकुलेटर आदि पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे.

महिला कांग्रेस का मोदी के नाम पोस्टकार्ड अभियान

▶ पूरे प्रदेश से 1 लाख पोस्टकार्ड दिल्ली भेजेंगे

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज से महिला कांग्रेस द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू करने को लेकर पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया गया. अभियान में महिला कांग्रेस द्वारा जनगणना और परिसीमन करने की बजाय महिला विधायक 2023 को वर्तमान लोकसभा सीटों पर ही लागू करने की मांग की गई है. पूरे प्रदेश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 1 लाख पोस्टकार्ड भेजे जाएंगे.

आज जीपीओ डाक मुख्यालय से प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया के नेतृत्व में महिलाओं ने इंदौर से पोस्टकार्ड अभियान की शुरुआत की है. इसके तहत पोस्टकार्ड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को लागू करने की मांग है. पोस्टकार्ड में लिखित रूप से मोदी से वर्तमान 543 लोकसभा सीटों पर ही 33% महिला आरक्षण लागू करने की मांग दोहराई गई है. प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी सेतिया ने बताया कि पिछले दिनों सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद में पास कराने के लिए पेश किया था. उक्त बिल बहुमत के अभाव में गिर गया, क्योंकि दो तिहाई बहुमत सरकार को नहीं मिला. इसके बाद भाजपा, कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों को महिला विरोधी बता रही है, जबकि महिला विधेयक 2023 में सर्वसम्मति से पारित हो चुका है. इसी को लेकर प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया गया है. इसकी आज इंदौर से शुरुआत की है और पूरे प्रदेश से 1 लाख पोस्ट कार्ड मोदी के नाम भेजे जाएंगे. अभियान में पार्षद सोनिया मिमरोट भाटिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

एमपीपीएससी इंदौर में आधुनिक कमांड कंट्रोल रूम शुरू

▶ राज्य सेवा परीक्षा 2026 होगी हाईटेक निगरानी

नवभारत न्यूज़

इंदौर. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी परिसर में आज आधुनिक कमांड कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया गया. आयोग के अध्यक्ष राजेश लाल मेहरा ने फीता काटकर इसकी शुरुआत की और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए इसकी सराहना की.

इस कंट्रोल रूम के शुरू होने से अब आयोग प्रदेश के 54 जिला मुख्यालयों पर बनाए गए परीक्षा केंद्रों से सीधे जुड़ सकेगा और उनकी निगरानी कर सकेगा। इसके माध्यम से परीक्षा के दौरान होने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या कदाचार की स्थिति में तुरंत कार्रवाई संभव होगी। आवश्यकता पड़ने पर कंट्रोल रूम से सीधे केंद्राध्यक्षों से संपर्क कर समस्या का समाधान भी किया जा सकेगा. इस अवसर पर आयोग की सचिव शीतला पटले, उप सचिव कीर्ति खुरासिया, सदस्य नरेन्द्र कोष्ठी, डॉ. पिंकेश लता रघुवंशी, परीक्षा नियंत्रक वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, ओएसडी डॉ. रविन्द्र पंचभई, श्रीमती निधि राजपूत, एनआईसी के निदेशक शैलेन्द्र नाहर और इनोवेटिव इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट दीपक द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

भर्ती प्रक्रियाएं पारदर्शी और सुदृढ़ होगी

कार्यक्रम में बताया गया कि इस व्यवस्था से आयोग की भर्ती प्रक्रियाएं और अधिक पारदर्शी और सुदृढ़ होंगी. राज्य सेवा परीक्षा 2026 में पहली बार त्रि-स्तरीय जांच प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक को शामिल किया गया है. इसके तहत अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया जाएगा, सीसीटीवी वेबकास्टिंग के जरिए निगरानी रखी जाएगी और हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच की जाएगी. महिला और पुरुष अभ्यर्थियों की अलग-अलग जांच की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है. 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की निगरानी भी इसी कंट्रोल रूम से की जाएगी, जिससे परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाया जा सके.

विद्यार्थियों ने समझी सामाजिक न्याय विभाग की कार्यप्रणाली

▶ कलेक्टर कार्यालय में समाज विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

नवभारत न्यूज

इंदौर. रेनेसां विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने कलेक्टर कार्यालय स्थित सामाजिक न्याय विभाग का शैक्षणिक दौरा किया. इस दौरान छात्रों ने विभाग की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा और प्रशासनिक व्यवस्था का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया.

दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने सामाजिक न्याय विभाग के कामकाज, कल्याणकारी योजनाओं, सार्वजनिक सेवा तंत्रों तथा सामाजिक सशक्तिकरण एवं समावेशन से जुड़ी नीतियों की जानकारी ली. छात्रों को कलेक्टर कार्यालय के विभिन्न विभागों जैसे महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, समाधान केंद्र, निर्वाचन शाखा तथा अन्य प्रशासनिक इकाइयों की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया. इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक शासन व्यवस्था से जोड़ना और सामाजिक न्याय की भूमिका को समझने का अवसर प्रदान करना था. अधिकारियों और शिक्षकों ने किया मार्गदर्शन-रजनीश सिंहा सहित संबंधित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को विभागीय प्रक्रियाओं की जानकारी दी. इसके अलावा महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, खाद्य विभाग के गामड़ तथा शैलेंद्र सोलंकी ने भी छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया. महाविद्यालय की ओर से विभागाध्यक्ष स्कूल ऑफ सोशल साइंस डॉ. लवीना सिंह, फैकल्टी सदस्य समर्थ श्रीमाल और गीतांशी शर्मा उपस्थित रहे.

बिजली व्यवस्था में लापरवाही उजागर

▶ 20 घंटे से अधिक समय तक फॉल्ट नहीं हुआ ठीक, लोगों को हुई भारी परेशानी

नवभारत न्यूज

इंदौर. कुशवाहा नगर के पास स्थित कॉलोनी में बिजली व्यवस्था की बड़ी लापरवाही सामने आई है. यहां डीपी (डिस्ट्रीब्यूशन पैनल) में फॉल्ट होने के कारण लोगों को लगभग 20 घंटे से अधिक समय तक लगातार बिजली संकट का सामना करना पड़ा.

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह समस्या रात करीब 2 बजे शुरू हुई, जब अचानक बिजली गुल हो गई. विभागीय जानकारी के अनुसार डीपी में तकनीकी खराबी आ गई थी. लेकिन जो फॉल्ट कुछ ही घंटों में ठीक हो जाना चाहिए था, वह अगले दिन शाम करीब 5 बजे तक भी पूरी तरह ठीक नहीं हो पाया.

बार-बार आती-जाती बिजली ने बढ़ाई परेशानी-इस दौरान क्षेत्र में कभी-कभी 10 से 15 मिनट के लिए बिजली आती थी, लेकिन तुरंत फिर से कट जाती थी. इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई. गर्मी के मौसम की शुरुआत में ही इस तरह की स्थिति ने स्थानीय निवासियों को मुश्किल में डाल दिया. बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि लगातार बिजली बाधित रहने से घरों में गर्मी और असुविधा बनी रही. यह फॉल्ट सामान्य स्थिति में कुछ घंटों में ठीक हो जाना चाहिए था, लेकिन विभागीय लापरवाही के कारण समस्या लंबे समय तक बनी रही.

मेंटेनेंस व्यवस्था पर उठे सवाल- इस घटना के बाद बिजली विभाग की मेंटेनेंस व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं. लोगों का कहना है कि जब छोटी तकनीकी खराबी को भी समय पर ठीक नहीं किया जा सकता, तो गर्मियों में बढ़ने वाली बिजली मांग के दौरान स्थिति और गंभीर हो सकती है.

बड़ी ट्रीपिंग की समस्या रही होगी

लंबे समय बिजली गुल के विषय में बिजली विभाग सीजीएम प्रकाश चौहान से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कोई बड़ी ट्रैपिंग आई होगी ऐसा मुझे लगता है और मेंटेनेंस के विषय में आज ही एमडी ने मीटिंग भी ली है वही पूरी टीम पिछले शनिवार रविवार और सोमवार से मेरे स्वयं और अन्य अधिकारियों के साथ एमडी भी कई ग्रेड पर विजिट कर चुके हैं हालांकि संगम नगर फीडर पर 7 से 8 दिन पहले मेरे द्वारा विजिट किया गया था जहां आइसोलेटर से लेकर अन्य समस्याएं पहले से थी सीजेएम ने बताया कि हो सकता है मेंटेनेंस के लिए बंद किया होगा मैं पता करवाता हूं यह मेरी जानकारी में नहीं है, वैसे इतना समय तो नहीं लगता लेकिन बड़ी ट्रैपिंग हो सकती है. वहीं जब कर्मचारियों की लापरवाही के विषय में पूछा गया तो गोलमोल जवाब के साथ सीजेएम प्रकाश चौहान ने कर्मचारियों की लापरवाही को दबे शब्दों में ही सही माना जिसके कारण यह समस्या सामने आई होगी.

एक नजर में ▶ प्राइवेट स्कूलों के लिए स्वच्छता कार्यशाला आयोजित

स्वच्छता में शहर के विद्यार्थियों का विशेष योगदान

इंदौर. आगामी सुपर स्वच्छ लीग 2025-26 के अंतर्गत शहर के निजी विद्यालयों में स्वच्छता संबंधी निर्धारित मापदंडों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा रविन्द्र नाट्यगृह में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यशाला में अपर आयुक्त प्रखर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी सहित बड़ी संख्या में निजी विद्यालयों के संचालक, प्रबंधक, प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित उपस्थित रहे. कार्यशाला के प्रारंभ में उपस्थित सभी स्कूल संचालकों, प्रबंधकों एवं प्रतिनिधियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई, जिससे वे अपने-अपने संस्थानों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाते हुए विद्यार्थियों को भी इसके लिए प्रेरित करें. आयुक्त श्री सिंघल ने कहा कि इंदौर देश में स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी शहर है और इस उपलब्धि में यहां के जागरूक नागरिकों के साथ-साथ स्कूली छात्र-छात्राओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है. उन्होंने कहा कि विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चे न केवल स्वयं स्वच्छता का पालन करते हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हैं. इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए निजी स्कूलों में स्वच्छता के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु यह कार्यशाला आयोजित की गई है.

महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी

कार्यशाला के दौरान शासन द्वारा निर्धारित स्वच्छता गाइडलाइन के अनुरूप विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया. इसमें विद्यालय परिसर की नियमित सफाई व्यवस्था, कचरा पृथक्करण (सेग्रिगेशन), छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालय, शौचालयों में स्वच्छ पानी की उपलब्धता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, डस्टबिन की व्यवस्था, सीवरेज एवं सेप्टिक टैंक सिस्टम, खेल मैदान की साफ-सफाई, गीले कचरे के निष्पादन हेतु परिसर में ही कम्पोस्टिंग की व्यवस्था, तथा दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष शौचालय सुविधाओं जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई. आयुक्त श्री सिंघल ने सभी विद्यालय संचालकों से अपील की कि वे इन सभी स्वच्छता मानकों का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करें, ताकि इंदौर शहर अपनी स्वच्छता की पहचान को और अधिक सुदृढ़ कर सके तथा आने वाली सुपर स्वच्छ लीग में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।